

Series JBB

SET-4

Code No. 18

Roll No.					Candidates must write the Code on the
					title page of the answer-book.

- ट्रे.भूबो.ज.तर.टे.जाूर्ट.तपु.श्रम्.भी. २ र्वा.लूट्.तथ.बुटा.वोच्रंर.वोच्ट.स्वेबी
- める、目が、口は、長々、こ、なに、よれ、生かれ、よれ、たが、目が、山々と、草
- उट्टीया.वोषट्शु.क्र्व वोषट्की.ट्टा स्त्रवा.क्र्ट. १०:१त थया. १०:४० धरःश्र्वासीवा.क्ष्याटी.टा.श्र्वाकी.क्रिया.वोट्स्वायावर. अप.आ. १त धराट्वी.टा.श्र्वाकी.क्ष्यु.श्रेचबा.चित्राचित्रात्त्रीय.क्ष्या. १०:१त वा.ट्वी.च्यां.च्योत्राया.
- Please check that this question paper contains **5** printed pages.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please write down the Serial Number of the question in the answer-book before attempting it.
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

TIBETAN

Time allowed: 3 hours Maximum Marks: 80

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : PCBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

Section A: Comprehension (15 marks) म्ह्रियाश्रम् श्रम्

Section B: Writing (25 marks) क्षर हुँद भीवा देवाला

Applied Grammar Section C: (15 marks) वह हुँद हेर सार्चा

Section D: Literature (25 marks) र्रेश रेगा

Section; A

गो में हैंगक्षत्वस्या Comprehension: वर् र्युगद्यविगदेशमा देन्यस्थायवर मेका विगमद्यर्गर मेर्

र्के्द्र-ग्रॅ-प्रवेद-ब्रेब्स-य-ग्रुद-द्वाद-प्रवाह्मिय-प्रमुप्य-प्रवादक्षिय-दे-द्वाद-दे-ग्रुव-के-द्वाद-क्रेय-क्रिय-लट्रियाराष्ट्रीरामायहियः यर्ड्मार्थरायदेवायदेवायात्वा क्रूट्रियादाष्ट्रियादाव्यव्यायदेशस्या त्रात्यक्षः च्रित्वः देविदेश्यात्रात्यवाक्षद्वेत्यत्रः त्रात्यक्षः च्रित्यत्रः द्रात्त्रः द्रात्त्रः व्यात्रः **ナニ、マブ・ロオ・可能であっておって、日本・日・夏・1**

१) म्.तवुष्यक्षेत्रस्टरः भीषाट्याराष्ट्रः भूरायाध्यात् क्षत्रीयः क्षत्रीयः क्षत्रीयः भूति । 2

४) म्.चबुच मुमाया मूरा न मिन सावर सावर वि ३) ब्रैंश.लट.र्वा.त.ब्रें.श.धेच.तपु.च्चे.शक्ष्य.वाट.। 2

1

1

) यर्श्राक्ष्य वर्षायास्य वर्षित्रसमा 2

2 त्र अटस.मिस.मीस.म्.टाषुष्य.मेश्रेस.ज.चट.चश्रेटस्र । वृद्धाःजय.चट.खेस.सन्ना

८) इ.सट.मु.म.म्अम्मान्टर.कूट्नाक्ष्यत्तर्द्र्यान्त्वया 1

न्रे द्यास्त्रम् मुद्दान्त्रस्य मुद्दान्त्रम्

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE Downloaded From : http://cbseportal.com/ रो मीससर्वेद्रस्य दालेस्य नादः वद्राविषा वा बेरा 1 () म्रेंस मुन द्वा बेसवा है रद विवा ता वाद कर वर्ष कराया 1 १०) श्रेमस.मीमस.क्रूर.मध्याय.एवस.मी.मट.स्या 2 Section: B - 25 वि Letter writing विह्नियानार स्टब्बिन होश 8 रो मेशक्री प्रमाद र्श्वेद त्य द्वी स्वत श्री त्यश्र मादे केद श्रुद लु लेग १) मेल रेवा पर विरात्य ह्या रेवा स्वित के वा में विद्या में विवा Essay writing; वाट स्ट देवा याद में क्रें आ में बा 10 १) ययाद्राद्रणे स्वाद्वस्य में चगार देव हे यद्व क्रेंग र) र्क्रेव या सदस मुसायते ग्रवस मुक्तेव सेव यते र्क्ने मा १) प्रवरास्त्राख्याख्याक्ष्यान्दराख्येयानदराक्ष्या

Translation

支と者ととる名とともま

7

I am sometimes asked whether I am religious, and I find it difficult to give an answer. My answer is it depends on what you mean by religion. If you mean ritual or repetition of something that you accept merely because great people have said it before you, then perhaps I am not religious. But I think true religion is a search for truth. It is searching for what is the best within yourself and trying to make it better. Swami Vivekananda said of education that it is not what a man knows but what he becomes, what he is, that is what education has to achieve.

Downloaded From : http://cbsep3rtal.com/ Courtesy: PCBSE



Section; C

বি Grammar (Sumchupa)	बिषाश्चित्रपुर्दे चायायव होबा	इंच.लट.ब्र्.ब्रुयु:वर्च,चर्ग्नर.ळूटी	(15)
१) गर ब्रुवे ख्रु बुच ब्रुव र्स्व व्या	ĕ [™] ĕ×ন্র×নেই্-্রীশ		3
१) दे श्रु.व.इ.चवे.र्चे.च.वट.र्वा	1 5.241		2
३) चन्त्राञ्चात्यः खन्तान्त्रार्वेन्न	આ		1
e) दे:श्रु: द्वारामाय द्वाराय दिवाराये द्वा	≍ :⊐≹्र'9∄ब		1
५) रट:मुदेख्दा गुवास्ता रवेराव	₹2.0.3≈1		2
८) बर्-रस्त्वरक्त्रः दुवार्थः वरः	ग खेता		2
न्) बार वर्षे बुबा जासद्य महूर जे	(187)		1
र् अर्देव मर्हेन मेश्रव वत्रामाना	र्षेत्-द्रवा		1
६ र में अन्यत्वेशः श्रीयःश्रीयः श्री	रेश्वेटकीयर्देव चर्हेद खेव वया		1
१०) श्रीमान्डिमार्न्द्रासमायायह्रमाय	वै:द्वे:सळ्द्व:ब्रैग्:व्रैश		1

Section; D ~ 25

ट्र Prose; अ.श्रे.ज्याबाचनर-र्टाचनेबार्श्वर।	ब्रियासरास्त्रस्थितः वर्गानास्त्री	(10
१) क्र्यं.श्रयं.यंखी ताश्राकी.ब्र्.ब्र्यःट्बायह्यी		2

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

Dot	wnloa
: :2	Me
	8) 50
	को क्रे
	20

१) न्यायः नुत्यायदेः न्योः मारः न्या यम्भवः व्यन् न्या	1
४) श्रेश्चास्त्र,याद्यः अक्तः केट्राम्बयाचरः म्ब्रह्मा	3
<) वर्षेत्रः खेंद्रैः चत्रेदेः मृत्रमण्डम् वर्षेत्।	3
५) श्रञ्जालेग्राचन्द्राचनेश्चर्ष्यार्थ्यः व्याद्र्याः	1
उ) Poetry; श्रुद्रादम् व्यव्याद्माद्माद्माद्माद्माद्माद्माद्माद्माद्म	(10)
१) चर्ड्- पुन्न प्रस्ट क्षेत्र प्राप्त श्रुव र चर्त्र क्षेत्र चर्त्त क्षेत्र चर्त्त क्षेत्र प्रमा क्षेत्र चर्	5

1 (8d -1) 2 may 2 (8 - 1 8 - 1 8 - 1 2) 1 2 1	
१) डि.यर् ब्रेव.प. श्रुव.रवा वी लुका डोर.रया	2

₹ Rapid reading;	सह्रम् इस्यायबारम् स्राव्यायाययः मुख	5x1=5
25		

1 1 16 mad 2 1/4 2 1 5 1/2 / 11 mad day	1
१) वर्षेट सामक्रम मीस सुँच माने र है सुर मान्द में प्रा	1
१) वॅद् न्त्री विश्वासकेश कुयावय वद द्वा व्यद् द्या	1

- ्रे द्रवा विश्व श्रह्मा चार द्रवा क्षेत्र विश्व विश्व । १
- त्रे च्.स.स.च्. बूर.स.मीटावाधुकासकाचांद्रवाला
- प्रे भाषा वर्षे चुट्टै.बर्धे चश्चार्थ्यस्थल.चूरे.बैरे.वै.वी

3